... लगता है तथा सुनने में भी अच्छा नहीं लगता है।

उच्चारण की सामान्य अशुद्धियाँ

प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओ के बालक अधिकतर निम्न प्रकार की अशुद्धियाँ करते हैं–

1. वर्णमाला के उच्चारण में 'अ' को 'आ' या 'अ' बोलते है। 'क ख ग' आदि को कभी कभी वे 'का खा गा' या 'कै खै गै' बोलते है।
2. शब्द के अन्त में लिखते 'इ' है और कहते 'ई' है।
   जैसे– 'शान्ति' को 'शान्ती', 'कवि' को 'कवी' और 'मुनि' को 'मुनी'।
3. शब्द के अन्त में लिखते 'उ' है और बोलते 'ऊ' है।
   जैसे– 'किन्तु' को 'किन्तू' और 'मनु' को 'मनू'।
4. 'ऋ' लिखकर 'र' पढ़ते है और 'वृक्ष' को 'व्रक्ष' बोलते है।

Scanned by TapScanner

5. लिखते 'ओ' हैं और बोलते 'औ' हैं।
   जैसे—'गोशाला' को 'गौशाला', 'गोपालक' को 'गौपालक' और 'गोस्वामी' को 'गौस्वा
6. 'घ' को 'क' कहते हैं।
   जैसे—'घर' को 'कर' और 'घृणा' को 'कृणा'।
7. 'छ' को 'श' कहते हैं।
   जैसे—'मछली' को 'मशली'।
   'छ' को 'च' कहते हैं।
   जैसे—'छोटे' को 'चोटे'।
   'छ' को 'क्ष' भी कहते हैं।
   जैसे—'छात्र' को 'क्षात्र'।
8. 'झ' को 'च' कहते हैं।
   जैसे—'झरना' को 'चरना'।
9. 'ड' और 'ढ' में विशेष अन्तर नहीं करते।
   जैसे—'गड्ढा' को 'गड्डा'।
10. 'ड' और 'ढ' में भेद नहीं करते।
   'ढ' को 'र' या 'ण' कहते हैं।
   जैसे—'पढ़ना' को 'पड़ना'।
   'सड़ना' को 'सरना'।
   'क्रीड़ा' को 'क्रीणा'।
11. 'ढ' को 'ट' भी कहते है।
   जैसे—'ढोलक' को 'टोलक'।
12. 'ण' को 'न' या 'ड़' कहते है।
   जैसे—'रावण' को 'रावन' और 'वर्णन' को 'वर्नन' 'कारण' को 'कारड़'।
13. 'त' को 'थ' कहते है।
   जैसे—'भरत' को 'भरथ'।
   इसी प्रकार 'थ' को 'त' कहते है।
   जैसे—'दशरथ' को 'दशरत'।
14. 'द' को 'ध' कहते है।
   जैसे—'विद्यार्थी' को 'विध्यार्थी'।
15. 'न' को 'ण' कहते है।
   जैसे—'जाना' को 'जाणा' और 'पानी' को 'पाणी'।
16. 'ब' को 'व' कहते है।
   जैसे—'बाइबिल' को 'वाइविल'।
17. 'र' को 'ड़' कहते है।
   जैसे—'कमरा' को 'कमड़ा'।

सामने

उच्चा

Scanned by TapScanner

18. 'व' को 'ब' कहते हैं।
    जैसे—'वन' को 'बन' और 'विषय' को 'बिषय'।
19. 'श' को 'स' व 'छ' भी कहते हैं।
    जैसे—'किशन' को 'किसन', 'किशमिश' को किसमिस', 'शेर' को 'सेर' और 'छेर', 'शास्त्री' को 'सास्त्री'।
20. 'स' को 'श' भी कहते हैं।
    जैसे—'सुशील' को 'शुशील' और 'सुशोभित' को 'शुशोभित', 'रासविहारी' को 'राशविहारी' और 'रसगुल्ला' को 'रशगुल्ला'।
21. 'क्ष' को 'छ' कहते हैं।
    जैसे—'क्षत्रिय' को 'छत्रिय'।
22. 'ज्ञ' को 'ग्य' कहते हैं।
    जैसे—'ज्ञान' को 'ग्यान'।
23. 'स्र' को 'स्त्र' कहते हैं।
    जैसे—'स्रोत' को 'स्त्रोत' तथा 'सहस्र' को 'सहस्त्र'।
24. संयुक्त वर्णों के उच्चारण में आदि अथवा मध्य में किसी स्वर का आगम कर लेते हैं।
    जैसे—'स्त्री' को 'इस्त्री', 'स्कूल' को 'सकूल' या 'इस्कूल', 'बख्त' को 'बखत', 'धर्म' को 'धरम', छात्र को 'छात्तर'।
25. शब्दों के उच्चारण में कहीं-कहीं दीर्घ स्वर को ह्रस्व तथा ह्रस्व को लुप्त कर देते हैं।
    जैसे—'सामान' को 'समान' तथा 'सवाल' को 'स्वाल'।
26. कहीं-कहीं ध्वनियों को उलट-पलट देते हैं।
    जैसे—'शासन' को 'साशन', 'प्रशंसा' को 'प्रसंशा', 'चिह्न' को 'चिन्ह' तथा ब्रह्मा' को 'ब्रम्हा'।

अशुद्धियों के इन प्रकारों को उदाहरणमात्र मानना चाहिए। विधिवत् जाँच से सब अशुद्धियाँ सामने आ सकती हैं।

Scanned by TapScanner